पुस्तिका कोड-13

AAO – 1 (H)

सहायक लेखा अधिकारी (सिविल) अनुपूरक परीक्षा, 2018

नवम्बर, 2018

सार लेखन एवं प्रारूप

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 100*

टिप्पणियां :

1. इस प्रश्न पत्र में **7** प्रश्न और **3** पृष्ठ हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सार लेखन तैयार करने से संबंधित प्रश्न के उत्तर का मूल्यांकन करते समय परीक्षार्थी द्वारा उन्हें समझने और सरल शब्दों का प्रयोग करते हुए उसे छोटे वाक्यों में व्यक्त करने की योग्यता का मूल्यांकन किया जाएगा। उससे यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह गद्यांश को चयनित रूप में दोहरा दे।
3. परीक्षार्थियों को उत्तर पुस्तिका में दिए गए स्थान पर इस प्रश्न पत्र की पुस्तिका की कोड संख्या लिखनी चाहिए।
4. उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर दी गई सारणी में उत्तर पुस्तिका के उस पृष्ठ संख्या का उल्लेख कीजिए जिसमें प्रत्येक प्रश्न अथवा उनके भाग का उत्तर दिया गया हो।
5. **प्रश्नों का उत्तर देने के लिए अलग-अलग प्रकार के पेन/स्याही का प्रयोग न करें। ऐसा करने पर उत्तर पुस्तिका अमान्य हो जाएगी।**
6. उत्तर पुस्तिका में छोड़े गए किसी भी/सभी खाली स्थानों को या खाली पन्नों को रेखा खींचकर काट दीजिए।
7. हिन्दी और अंग्रेजी पाठ में कोई अंतर होने की स्थिति में अंग्रेजी पाठ को सही माना जाएगा।

1. निम्नलिखित शब्द युग्मों के अर्थ लिखिए तथा वाक्य प्रयोग द्वारा उनका अंतर भी स्पष्ट कीजिए: *[2.5+2.5=5 अंक]*

   (i) मेला - मैला

   (ii) शौक - शौक

2. निदेशानुसार लिखें:- *[5 अंक]*

   (i) सुगम (विलोम शब्द)

   (ii) बादल (दो पर्यायवाची शब्द लिखें)

   (iii) पृथ्वी (दो पर्यायवाची शब्द लिखें)

   (iv) मै यह काम नहीं किया हूँ। (वाक्य को शुद्ध करके लिखें)

   (v) हानि (विलोम शब्द)

3. सीजीए की ओर से सभी प्रधान सीसीए/सीसीए/सीए के लिए एक अ.शा. पत्र का प्रारूप तैयार करें जिसमें उन्हें अनुदेश दिया गया हो कि अपने-अपने मंत्रालयों में पंजीकृत एजेंसियों को निधियों के अंतरण के लिए पीएफएमएस के ईएटी (EAT) मॉड्यूल का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। *[20 अंक]*

4. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों/वाक्यांशों का उपयुक्त हिन्दी शब्द/वाक्यांश लिखें : *[5 अंक]*

   (i) Official Gazette

(ii) Officer on special duty
(iii) Office Assistant
(iv) Direct
(v) Policy

5. भारत में डिजीटल क्रांति की पहुंच सभी व्यक्तियों तक नहीं हो पाई है। 150 शब्दों में उल्लेख करें।

[25 अंक]

6. निम्नलिखित लेखांश का सार एक तिहाई शब्दों में लिखिए और उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए। *[25 अंक]*

बचत की संकल्पना संपूर्ण विश्व में भिन्न-भिन्न संस्कृतियों में सदैव मौजूद रही है। प्राचीन समय में संपूर्ण विश्व में गढ़ों में मुद्रा/सोने के सिक्कों को भरकर जमीन में दबा दिया जाता था। किसी राज्य में करों के जरिए अथवा अधीनस्थ जागीरदारों/अधीन राज्यों से की गई उगाहियों से प्राप्त धन का भण्डार शाही खजाना होता था।

आधुनिक बैंकिंग की शुरू होने से धन प्रबंधन घर से बैंक की ओर चला गया। लोगों को बैंक में धन और आभूषण जमा करना सुरक्षित लगा जिनमें उनके धन की सुरक्षा के लिए तिजौरियां थीं। इसके अलावा बैंकों ने जमा धन राशि पर ब्याज दिया जिससे उन्हें अतिरिक्त आय की प्राप्ति हुई। बैंकों ने इन जमा राशियों का निवेश विभिन्न स्टॉकों तथा प्रतिभूतियों में करना आरंभ कर दिया। इस प्रकार, निवेश बैंकिंग तथा कारपोरेट बैंकिंग की एक नई व्यवस्था शुरू हो गई। सरकारी धन भी बादशाह के खजाने से सेंट्रल बैंक में अंतरित हो गया जो धीरे-धीरे वित्तीय नीति नियामक भी बन गया। आज केंद्रीय नियामक बैंक के बिना अर्थव्यवस्था की कल्पना नहीं की जा सकती। सेंट्रल बैंक, भारत के मामले में भारतीय रिजर्व बैंक, मात्र सरकारी निधियों का भण्डार ही नहीं है अपितु यह वित्तीय नीति नियामक, बैंकों का बैंकर, मुद्रा का नियामक आदि बन गया है।

भारत में बैंकिंग व्यवस्था की शुरूआत छोटे, निजी वाणिज्यिक बैंकों से हुई। परंतु जब इनमें से कुछ असफल हो गए अथवा बैंकरों द्वारा जमा धन का गबन किया जाने लगा और ग्राहकों की खून-पसीने की कमाई की राशि डूबने लगी तो सरकार ने अपना हस्तक्षेप किया और इन बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। इस बड़े सुधार से यह सुनिश्चित हुआ कि बैंकों को हुए किसी नुकसान का प्रभाव ग्राहक पर नहीं पड़ेगा और बैंक ग्राहक के धन का दुरूपयोग नहीं कर सकेगा। धीरे-धीरे, कुछ वर्षों में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के नियंत्रण के लिए अन्य नियामक तंत्र आरंभ किए गए।

बैंकिंग सेक्टर सुधार संबंधी नरसिंहम समिति की सिफारिशें इस दिशा में दूसरा प्रमुख उन्नति सोपान बनीं। इसके बाद बैंकिंग सेक्टर की कुशलता तथा शासन के सुधार पर केंद्रित बहुत से क्रमिक सुधार किए गए। एक समय, सरकार ने महसूस किया कि अन्य सभी सेक्टरों की तरह, बैंकिंग सेक्टर में भी निजीकरण किया जाए ताकि वैश्विक चलन के अनुसार चला जा सके। एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, एक्सिस तथा येस बैंक जैसे निजी क्षेत्र के बैंकों को भारतीय बैंकिंग सेक्टर में कार्य करने की अनुमति दी गई। ये बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तुलना में ग्राहकों को अधिक संतुष्टि देने में सफल रहे और ये कोरपोरेट बैंकिंग तथा रिटेल बैंकिंग, दोनों के लिए एक मुख्य आधार-स्तंभ बन गए। इससे संकेत लेते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी स्वयं को अधिक ग्राहक अनुकूल बनाना शुरू किया तथा अपने कामकाज में तकनीकी सुधार लाया।

बैंकिंग की सफलता में एक बड़ी बाधा अनर्जक आस्ति का मुद्दा रही है जो भारत के अधिकांश बैंकों के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है, चाहे वे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हों अथवा निजी क्षेत्र के। बैंकिंग सेक्टर में इस

बड़े मुद्दे के समाधान के लिए सरकार ने मिशन इंद्रधनुष की घोषणा की है जो पुनःपूंजीकरण, बैंक बोर्ड ब्यूरो बनाए जाने तथा जवाबदेही की ढांचा बनाए जाने पर केंद्रित है। दिवाला एवं शोधन अक्षमता कोड एनपीए के मुद्दे के समाधान के लिए एक और ढांचा मुहैया कराता है। आधुनिक बैंकिंग में विशेष रूप से कम नकदी अर्थव्यवस्था तथा बैंकिंग लेनदेनों के डिजीटाइजेशन के दौर में, साईबर सुरक्षा एक अन्य चिंता का विषय है। इसके समाधान का प्रयास सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आईआईटी जैसे संस्थानों के सहयोग के द्वारा विभिन्न पहलों के माध्यम से किया जा रहा है। जन-धन योजना तथा डीबीटी जैसी स्कीमों के साथ बैंकिंग के जरिए वित्तीय समावेशन सरकार का एक प्रमुख प्रयास है। ग्रामीण बैंकिंग भी चिंता का बड़ा विषय है, चूंकि कई क्षेत्र अगम्यता के कारण बैंकिंग सेवाओं से अछूते हैं। आंशिक रूप से कम साक्षरता, बैंकिंग सेवाओं की अप्राप्यता आदि के कारण ग्रामीण आबादी कॉफी हद तक अब भी बैंकिंग प्रणाली से सहज नहीं हैं। सरकार द्वारा इनका समाधान बैंकिंग संवाददाताओं की शुरूआत से किया जाना अपेक्षित है जो बैंकों तथा ग्रामीण आबादी के बीच एक कड़ी का कार्य करते हैं।

प्रत्यक्षतः बैंकिंग सुधार की संकल्पना अर्थशास्त्रियों तथा नीति निर्माताओं के लिए एक मुद्दा है। परन्तु बैंक ऐसे स्थान हैं जिनपर लोग अपनी खून-पसीने से कमाए धन को रखने के लिए विश्वास करते हैं। अपने पैसे पर नियंत्रण होना एक बड़ी तनाव-मुक्ति है और कुशल, अच्छी बैंकिंग व्यवस्था हर व्यक्ति के जीवन से तनाव दूर करने की एक महत्वपूर्ण कुंजी है। *(726 शब्द)*

7. उपर्युक्त लेखांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए।

(i) आधुनिक बैंकिंग के आरंभ होने से क्या क्या परिवर्तन हुए? एक अर्थव्यवस्था में सेंट्रल बैंक द्वारा क्या कृत्य निभाया जाता है? *[2.5+2.5=5 अंक]*

(ii) सरकार ने भारत में बैंकों का राष्ट्रीयकरण क्यों किया? भारतीय बैंकिंग क्षेत्र को निजीकरण से कैसे फायदा हुआ? *[2.5+2.5=5 अंक]*

(iii) भारतीय बैंकिंग सेक्टर की तीन मुख्य चिंताओं का वर्णन कीजिए। इन मुद्दों के समाधान के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का भी उल्लेख करें। *[2.5+2.5=5 अंक]*

Booklet Code-13

AAE – 1 (E)

ASSISTANT ACCOUNTS OFFICER (CIVIL) SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2018

NOVEMBER, 2018

PRECIS AND DRAFT

Time Allowed : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note:

1. This question paper contains **7** questions and **3** pages. All the questions are **compulsory**.
2. While evaluating the question on precis, candidates would be evaluated for their understanding and ability to express the same in short sentences using simple words. He would not be expected to reproduce the passage selectively.
3. Candidates should write the Booklet Code No.of this question paper on their answersheet in the space provided.
4. In the table provided on the front cover page of the answer book, indicate the page number of the answer book where answer to each question or part thereof is written.
5. **Do not use different pens/ink for answering questions. Doing so may render the answer script invalid.**
6. Strike off all blank pages/space in the answer books.
7. In case of variation between English & Hindi versions, English version will be treated as correct.

1. Fill in the blanks using appropriate forms of the verbs given in the brackets : *[1x5=5 marks]*

   (i) She _____ French next year (learn)

   (ii) Alexa _____ a bike (ride)

   (iii) Could you _____ me, please? (help)

   (iv) The doctor advised him to stop _____ (smoke)

   (v) She _____ here for last two years. (live)

2. Fill in the blanks with appropriate words from bracket. *[1x5=5 marks]*

   (i) It will be convenient _____ me to attend your marriage on Monday. (for, to)

   (ii) This work is distasteful _____ me (for, to)

   (iii) He is greatly interested _____ this (to do, in doing)

   (iv) _____ I am concerned, I shall always support you. (for, as far as)

   (v) She burst _____ tears (in, into)

3. Draft a DO letter from CGA to all Pr.CCA's/CCA's/CA's instructing them to mandatorily use EAT module of PFMS for funds transfer to the registered agencies in their respective Ministries. *[20 marks]*

4. Complete the following sentences with appropriate prepositions. *[1x5=5 marks]*

   (i) The selection panel needs time to think _____ the proposal made by the awards committee.

   (ii) I asked my friend to wait _____ the station for me in case I did not reach in time.

   (iii) Vivek had a longing _____ an ice cream after dinner. So he went out to have one.

   (iv) I think the bank should be open _____ now.

   (v) I am a bit weak _____ science subjects but I am trying to improve.

5. Digital revolution in India may not be inclusive in its spread. Comment in around 150 words. *[25 marks]*

6. Write a precis of the following passage in about 1/3 of its length and also give a suitable title. *[25 marks]*

Concept of saving has always existed in different cultures all over the world. Collecting currency/gold coins in pots and burying them under the earth is something that has been done all over the world in ancient times. The royal treasury was the repository of monies collected in a kingdom by way of taxes or acquired as levies from subordinate vassals/dependent kingdoms.

With the advent of modern banking, management of money shifted from home to the bank. People found it safer to deposit money and jewellery in the bank which had vaults to safeguard their wealth. Also, banks offered interest on deposits which meant additional income. Banks, on their side, began to invest these deposits in various stocks and securities. Thus began a new system of investment banking and corporate banking. Government money, too, passed from the treasury of the king to the central bank which slowly became the monetary policy regulator also. Today, one cannot visualize an economy without a central regulatory bank. The central bank, in India's case, the Reserve Bank of India, is no longer just a parker of Government funds but has become the monetary policy regulator, banker to banks, regulator of currency, et al.

The banking system in India started with small, private commercial banks. But, when some of these began to fail or funds deposited were siphoned off by the bankers and customers lost their hard earned money, the Government decided to step in and nationalize these banks. This major reform ensured that the customer was not affected by any loss incurred by the bank or the bank could not misuse customer's money. Gradually, over the years, other regulatory mechanisms were introduced to regulate public sector banks.

Recommendations of Narasimham Committee on banking sector reforms proved to be another major stepping stone in this direction. Thereafter there have been series of gradual reforms focusing on improving efficiency and governance of banking sector. At one time, the Government felt that, like in all other sectors, privatization should be brought into the banking sector also, to keep pace with global trends. Private sector banks like HDFC, ICICI, AXIS and Yes Bank were allowed to operate in Indian banking sector. These banks proved more

successful in gaining customer satisfaction as compared to the public sector banks and became a main stay in both corporate banking and retail banking. Taking a clue, public sector banks also began to become more customer friendly and introduced technological improvements in their functioning.

A very big obstacle to successful banking has been the issue of non-performing assets which has been a major source of concern for most of the banks in India, whether in the public sector or private sector. To resolve this major issue in the banking sector, the Government announced Mission Indradhanush focusing on important reform mechanisms like recapitalization, creation of Bank Board Bureau and creating a framework of accountability. Insolvency and Bankruptcy Code provides another framework for resolving the issue of NPAs. Cyber security is another concern in modern banking especially with the era of less cash economy and digitization of banking transactions. This is attempted to be resolved through various initiatives by the Department of Information Technology in collaboration with institutions like the IIT. Financial inclusion through banking is a major thrust of the Government with schemes like Jan Dhan Yojana and DBT. Rural banking is also another area of concern, since many areas still remain to be covered by banking services due to inaccessibility. Rural populations are still, to a large extent, not very comfortable with the banking system partially due to low level of literacy, inaccessibility of banking services etc. These have been sought to be addressed by the government by introduction of banking correspondents who serve as link between banks and rural population.

On the face of it, the concept of banking reforms may seem an issue for economists and policy planners. But banks are places which people trust their hard earned money with. Being in control of your finances is a great stress reliever and an efficient, good banking system is the key to relieving this stress from everyone's life. *[685 words]*

7. Answer the following questions on the basis of the above passage within 50 words each.

(i) What were the changes that occurred with the advent of modern banking? What functions are performed by the Central Bank in an economy. *[2.5+2.5=5 marks]*

(ii) Why did the Government nationalize the banks in India? How privatisation benefited the Indian banking sector? *[2.5+2.5=5 marks]*

(iii) Mention the three major concerns in the Indian banking sector. Also mention the steps taken by the Government to resolve these issues. *[2.5+2.5=5 marks]*